OM SHANTI MEDIA -FEB-II- 2022 MAHARASHTRA FINAL FILE_Layout 2 29-01-2023 10:51 Page 9

किसके पीछे भाग रहे हो...!!!

ब्र.कु. उर्वशी बहन,नई दिल्ली

सुनो ज़रा, तुम कहाँ जा रहे हो? मैं अपनी दुकान जा रहा हूँ। अच्छा, और कब तक लौटोगे? मैं आज खूब सारे पैसे कमाकर लौटूंगा, क्योंकि कल मेरे बेटे का जन्मदिन है। उसे बहुत सारे पैसे दूँगा जिससे वो उन पैसों को पाकर खुशी से झूम उठेगा। ओह, अच्छा, क्या पैसे, वस्तु के साथ खुशी भी देते हैं? अरे, कैसी बात कर रहे हैं आप! पैसे खुशी क्यों नहीं देते, अरे साहब, बहुत खुशी और सुकून देते हैं। अच्छा जनाब निकलता हूँ अब।

ज़रा सुनो, कहाँ भाग रहे हो तुम इतनी जल्दी में? मैं, मैं विदेश जाने के लिए हवाई अड्डे जा रहा हूँ। अच्छा, क्या प्राप्त होगा वहाँ जाकर? अरे ये कैसा सवाल है आपका, मैं वहाँ जाकर ढेर सारे पैसे और शोहरत कमाऊंगा। अच्छा, फिर क्या करोगे उन पैसों का? दादा जी, उनसे मैं अपना जीवन सुखी और आनंदमय तरीके से जी पाऊंगा। भला वो कैसे? दादा जी, मैं एक आलीशान घर, एक अच्छी-

सी गाड़ी, खूब अच्छे-अच्छे कपड़े खरीदूंगा जो मेरे कलेजे को ठंडक देंगे। ठीक है, मैं निकलता हूँ, बहुत जल्दी में हूँ।

सुनो छोटू, तुम कहाँ जा रहे हो? मैं ना स्कूल जा रहा हूँ और अब मैं पुरस्कार लेकर ही लौटूंगा क्योंकि आज मेरे स्कूल में प्रतियोगिता है। अच्छा, और फिर उस पुरस्कार का करोगे क्या तुम? उसको मैं अपने टेलिविजन के ऊपर रखूंगा जिससे वो मुझे और मेरे परिजनों को हर रोज़ खुशी देगा। अच्छा, चलता हूँ मैं।

अरे देवी, ज़रा सुनो मेरी बात, कहाँ जा रही हो आप? मैं, मैं मंदिर जा रही हूँ। अच्छा, क्या करने? अरे, ये कैसा सवाल है आपका? मंदिर तो हर आदमी सुख और शांति लेने के लिए और अपनी अरदास पूरी करने के लिए जाता है। ओह! अच्छा, लेकिन क्या आप मुझे ये और बता सकती हैं कि ये सुख और शांति देता कौन है और कहाँ-कहाँ मिलती है ये? भ्राता जी, ये सुख और शांति भगवान देते हैं, ना कि कोई मनुष्य और ये मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च में मिलती है, जहाँ-जहाँ ईश्वर, अल्लाह का निवास होता है वहाँ-वहाँ ये मिलती है। अच्छा, कितने दिन तक चलती है,मतलब कितने-कितने दिन बाद लेने जाना होता है? भ्राता जी आप इतने अजीब से सवाल क्यों कर रहे हैं? क्या आप ये सब जानते नहीं? क्या आपने कभी पूजा अर्चना नहीं की अपने जीवन में? मुझे ऐसा महसूस हो रहा है जैसे आप नास्तिक हैं।

हाँ, तुम भी मुझे नास्तिक बोल सकती हो ठीक उसी प्रकार जैसे अन्य व्यक्ति मुझे नास्तिक बोलते हैं,क्योंकि मेरे विचार अन्य लोगों से अलग हैं। मेरा दिल तो ये कहता है, जैसे एक शेर का बच्चा शेर, एक राजा का बच्चा राजा होता है ठीक उसी प्रकार सर्वशक्तिवान के बच्चे मास्टर सर्वशक्तिवान होते हैं। कृपया थोड़ा स्पष्ट कीजिए। करता हूँ, करता हूँ देवी। क्या ये सत्य नहीं कि हम सभी मनुष्य आत्माएं, परमात्मा की संतान हैं और वही हमारे सच्चे पिता हैं और इसलिए हम उनको परमपिता कहकर पुकारते हैं! और जब हम उनकी संतान हैं तो जो शक्ति व गुण परमात्मा में हैं वह सब हम बच्चों में नहीं होगी! परन्तु हम स्वयं को व स्वयं के स्वधर्म को और अपने सच्चे मात-पिता को पूर्ण रूप से भूल चुके हैं इसलिए हर रोज़ हम परमात्मा के पास जाकर कहते हैं "मुझ निर्गुण हारे में कोई गुण नाही"। तुम ज़रा विचार करो, एक बच्चा अपने पिता के आगे ऐसे कहता है क्या? बल्कि हम तो अपने पिता के आगे बड़े शान से कहते हैं जो आपका है वो मेरा है, और दुनिया के आगे भी बड़ी शान से कहते हैं तुम्हें पता है मेरे पिता राजा हैं, डॉक्टर हैं, बैरिस्टर हैं। तनिक विचार करो कैसा महसूस होता होगा उस सच्चे पिता को जब वो अपने बच्चों को सबकुछ देने के बावजूद भी ऐसे भीख मांगते हुए, रोते हुए देखता होगा तो! वास्तव में हमारे सच्चे माता-पिता, शिक्षक, सतगुरु, मार्गदर्शक वह एक ही निराकार परमात्मा हैं और उन्होंने हमें सुख, शांति, आनंद, प्रेम, शक्ति से भरपूर किया है। परंतु हमसे भूल होने के कारण हम सुख-शांति, आनंद को स्थूल वस्तु, व्यक्ति और जगह-जगह ढूंढने लगे। परन्तु ये भगवान के आगे रोने से, अच्छी वस्तुएं खरीदने से, तीर्थ स्थल पर घूमने से प्राप्त नहीं हो सकती, क्योंकि ये हमारा स्वधर्म है इसको जितना हम स्मृति में लाएंगे उतना ही हम महसूस कर पाएंगे। स्थूल वस्तु की खुशी क्षण भर में समाप्त हो जाती है,परन्तु अपने पिता और उनके गुण व शक्तियों को व स्वयं के स्वधर्म को स्मृति में लाने से ही सुख, शांति व आनंद प्राप्त हो सकता है और वही अविनाशी है। अपने स्वधर्म को याद करना माना अपने गुणों का चिंतन करना, उन्हें महसूस करना और हमारे गुण हैं सुख, प्रेम, शक्ति, आनंद आदि और यही यह सच्चा मार्ग है इनको प्राप्त करने का। ये हमें तीर्थ स्थलों पर भटकने से नहीं बल्कि स्वयं का परिचय प्राप्त करने से ही प्राप्त हो सकती है और हमारा सत्य परिचय हमें हमारे सत्य पिता परमपिता परमात्मा शिव ही देते हैं।

मुम्बई-घाटकोपर। ब्रह्माकुमारीज़ सबज़ोन का 64वाँ वार्षिकोत्सव, सबज़ोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु.डॉ.नलिनी दीदी का 80वाँ जन्मदिवस एवं ईश्वरीय सेवाओं के 65वर्ष पूर्ण होने पर जवेरबेन पोपटलाल सभागृह में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर राजयोगिनी ब्र.कु. शकु दीदी,अति.निदेशिका,घाटकोपर सबज़ोन, ब्र.कु.निकुंज,लोकप्रिय लेखक एवं ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक, डॉ.निरंजन हीरानंदानी,एजुकेशनलिस्ट एवं रियल एस्टेट टाइकून, भारतीय जनता पार्टी के महासचिव प्रवीण छेड़ा, भदंत महाथेरो डॉ.राहुल बोधि, प्रसिद्ध सर्जन डॉ.संजय बोरुडे, डॉ.उमा रेले,नालंदा नृत्य कला महाविद्यालय, डॉ. वैदेही रेले आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिव्य रैली भी निकाली गई।

बारडोली-गुज.। आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् तरुण भाई,समाज सेवक को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. अरुणा बहन। साथ हैं काजल हिन्दुस्तानी,वैदिक सनातन धर्म प्रचारक, ब्र.कु.जयश्री बहन तथा ब्र.कु. कनक बहन।

ब्यावरा-म.प्र.। ब्यावरा कोर्ट में जस्टिस आर.के. जैन को नव वर्ष की बधाई देने के पश्चात् कैलेंडर भेंट करते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी बहन व ब्र.कु. तेजस्वी बहन।

भिलाई-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज द्वारा सीआईएसएफ के रिजनल ट्रेनिंग सेंटर में 'जीवन में राजयोग का प्रयोग' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में इंस्पेक्टर नीरज कुमार, इंस्पेक्टर वीरेन्द्र यादव, सब इंस्पेक्टर एस.पी. यादव, ब्र.कु. रिया बहन, ब्र.कु. पूजा बहन तथा सीआईएसएफ के जवान।

मरोली-नवसारी(गुज.)। सीआईएसएफ के जवानों को परमात्म संदेश देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. मुकेश बहन, एसआई/ईएक्सई सुरेंद्र सिंह, एचसी रामा शंकर, एचसी माने सचिन, सीटी आदित्य कुमार, सीटी अप्पा राव, सीटी संतोष कुमार तथा अन्य।

मौदा-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत दो दिवसीय 'खुशियों का बिग बाज़ार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए मा.आबू से मोटिवेशनल स्पीकर एवं ट्रेनर राजयोगी ब्र.कु. शक्तिराज भाई, कामठी मौदा क्षेत्र के विधायक दिसावर टेकचंद सावरकर, नगर पंचायत की उपाध्यक्ष भारती ताई सोमनाथ, साखर कारखाना बापदेव के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय गुर्जर, सामाजिक कार्यकर्ता कीर्ति ताई जायसवाल, नागपुर सबज़ोन संचालिका ब्र.कु.रजनी दीदी, ब्र.कु.मनीषा बहन तथा अन्य।

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत यातायात के नियमों के प्रति जागरुक करने के लिए मोटर साइकिल जागरुकता रैली का शुभारंभ करते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, छतरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन तथा खजुराहो सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या बहन। इस रैली में पुलिस के जवानों, ब्र.कु. भाई-बहनों सहित 200 लोगों ने भाग लिया।

पाटण-सातारा(महा.)। नव वर्ष की बधाई देने के पश्चात् उपनगराध्यक्ष सागर पोतदार, नगर सेवक जगदीश शेंडे तथा नगरसेविका फुटाने मैडम को नव वर्ष का कैलेंडर भेंट करते हुए ब्र.कु.विद्या बहन एवं ब्र.कु.सुरभि बहन।

रायपुर-छ.ग.। सन्दीपनी अकादमी कुम्हारी में 'तनाव प्रबंधन कला' विषय पर व्याख्यान देने के पश्चात् ब्र.कु.डॉ. दिलीप नलगे को मोमेन्टो भेंट करते हुए अकादमी के प्राचार्य एवं अन्य स्टाफ मेम्बर्स। साथ में हैं ब्र.कु.रश्मि बहन।